हिन्दी में रेलवे के प्रकाशन

१७०९. **श्री तु० राम :**
श्री बेसरा :
श्री योगेन्द्र झा :

क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या रेलवे की नियम पुस्तकों, रेल पत्रिकाओं तथा अन्य प्रकाशनों को अंग्रेजी के साथ हिन्दी में भी जारी करने का आदेश दे दिया गया है ;

(ख) क्या यह सच है कि रेलों पर हिन्दी-कार्य तथा उसके लिए आवश्यक पद आदि का निर्देश रेलवे बोर्ड द्वारा दिया जाता है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि उपर्युक्त कार्य के लिये रेलवे में दर्जा १ और दर्जा २ के राजपत्रित अफसर रखे गये हैं ; और

(घ) अनुवाद कार्य को अन्तिम रूप देने के लिए रेलवे बोर्ड द्वारा राजपत्रित अफसर रखने के लिये निर्देश न दिये जाने के क्या कारण हैं ?

रेलवे मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सें० वें० रामस्वामी) : (क) जी हां : हिदायत दी गई है कि अब से नियम पुस्तकें नियमावलियां आदि हिन्दी-अंग्रेजी द्विभाषी रूप में जारी की जायें ।

(ख) रेल कार्यालयों में हिन्दी आरम्भ करने से सम्बन्धित नीति का नियंत्रण रेलवे बोर्ड करता है । जहां तक हिन्दी कार्य के लिए अराजपत्रित पदों की मंजूरी का सम्बन्ध है, उच्चतम ग्रेड में हिन्दी पर्यवेक्षक के पद को छोड़ कर, जिसकी मंजूरी फिलहाल रेलवे बोर्ड द्वारा दी जाती है, इस प्रकार के कुल पद को मंजूर करने का अधिकार जनरल मैनेजरों को है ।

(ग) जी नहीं ।

(घ) अंग्रेजी-हिन्दी अनुवाद कार्य के लिए उपयुक्त हैसियत के कर्मचारी रखे जा चुके हैं । अनुवाद कार्य के लिए राजपत्रित अफसरों की नियुक्ति आवश्यक नहीं समझी जाती ।

चावल की उपलब्धता

१७१०. **श्री कछवाय** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली में जो चावल राशन में ५८ न० पै० प्रति किलो मिलता था, वह चावल अब बाजार में उपलब्ध नहीं है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि सस्ता चावल (२६–२७ रुपये मन) भी राशन की दुकान के अतिरिक्त कहीं प्राप्य नहीं है ;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(घ) क्या सरकार कोई व्यवस्था करने का विचार कर रही है जिससे कि सस्ते भाव पर चावल उपलब्ध हो सके ?

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अ० म० थामस) : (क) और (ख). दिल्ली में राशन व्यवस्था नहीं है । इस समय सरकारी स्टाक से उचित मूल्य की दूकानों द्वारा चावल का वितरण भी नहीं किया जाता है । पिछले कई सप्ताहों से दिल्ली में चावल का बाजार भाव माननीय सदस्य द्वारा बताये गये भाव से कम ही रहा है ।

(ग) और (घ). प्रश्न ही नहीं उठते ।

दूध के डिपो

१७११. **श्री कछवाय** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली दुग्ध योजना ने जमुना नदी के उस पार दूध के वितरण की कोई व्यवस्था नहीं की है ;